रिवस्ट्री सं. की. (की.एम.)-127-

REGISTERED NO. D. (D.N.) 127



असाधार्ग EXTRAGEDINARY

भाग II—इण्ड उ—उप-इण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रापिन्तर से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 354

-- ५८८ - १ ८ -- १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८८ - १८८ नई विल्ली, बुधवार, जुलाई 6, 1988/आषात 15, 1910

No. 3541

NEW DELIH, WEDNESDAY, JULY 6, 1988/ASADHA 15, 1910

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ रहेया दी अली है जिससे कि यह अलग संकलन के रून में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Parcia order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मत्रालय

(आद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, त जुलाई, 1988

श्रादेश

का.श्रा. 677(ग्र).—केन्द्रीय परकार उद्योग (विकास और विनियमन) ग्रीधनियम, 1851 (1951 का 65) की धारा 1855 और धारा 25 द्वारा प्रतत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, संभिट नियंत्रण ग्रादेण, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित ग्रादेश करती है, ग्रथांत :—

- । (1) इस ग्रादेण का संक्षिप्त नाम सीमेंट नियंत्रण (संशोधन) ग्रादेश, 1988 है।
 - (2) यह तुरस्त प्रवृत्त होगा।

1791 GI/88

2. सीमेंट नियंत्रण श्रादेश, 1967 में नोट की अनुसूची में पैराग्राफ (3) में कारखाने के सामने कमांक (i) पर "237.00 रुपये" शब्द और संख्याओं के स्थान पर "400.00 रुपये" शब्द और संख्याणं रखी जाएगी।

[फा. सं. ा 1/8/88/सीमेंट] र. के. सिन्हा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development) New Delhi, the 6th July, 1988

ORDER

- S.O. 677 (E) .—In exercise of the powers conferred by section 18G, read with section 25 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Cement Control Order, 1967, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the Cement Control (Amendment) Order, 1988.
 - (2) It shall come into force with immediate effect.
- 2. In the note to the Schedule to the Cement Control Order, 1967, in paragraph (3), against factory at Serial No. (i), for the word and figures "Rupees 237.00", the word and figures "Rupees 400.00" shall be substituted.

[F. No. 11-3]88 Cem.] R. K. SINHA, Jt. Secy.